अध्ययन प्रश्न – 2022-23

विषय – हिंदी (आधार)

विषय कोड - 302

कक्षा - बारहवीं

प्रारूप

बहुविकल्पीय प्रश्न					
खंड	**खंड का नाम**	**स्मरण/ज्ञान (Mechanical/ Recall)**	**समझ-बूझ (Understanding)**	**अनुप्रयोग (Application)**	**कुल प्रश्न**
क	अपठित गद्यांश	-	8	2	10
क	अपठित पद्यांश	2	6	2	10
क	अभिव्यक्ति और माध्यम	1	4	-	5
क	गद्य और पद्य खंड	-	7	3	10
क	पूरक पाठ्यपुस्तक	3	6	1	10
कुल		**6**	**31**	**8**	**45**
वर्णनात्मक प्रश्न					
ख	रचनात्मक लेखन	-	-	1	1
ख	अभिव्यक्ति और माध्यम	1	2	3	6
ख	पाठ्यपुस्तक	3	7	2	12
कुल		**4**	**9**	**6**	**19**

अध्ययन प्रश्न – 2022-23

विषय – हिंदी (आधार)

विषय कोड – 302

कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश –

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' और 'ब'। खंड 'अ' में वस्तुपरक/बहुविकल्पीय और खंड 'ब' में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न हैं।
2. खंड 'अ' में कुल 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. खंड 'ब' में कुल 7 प्रश्न हैं। निर्देशानुसार विकल्पों का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
4. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की कुल संख्या 13 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. प्रश्नों के उत्तर लिखते समय क्रम संख्या अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें।

खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्न 40 अंक

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10X1=10)

शिक्षा का अर्थ बालकों में ऐसी क्षमता उत्पन्न करना है कि वे समाज की परंपराओं, रीति-रिवाज़ों और अंधविश्वासों के साथ-साथ अपने मन की गतिविधियों को निष्पक्ष व स्पष्ट रूप से देख सकें। इससे उनकी दृष्टि स्पष्ट होगी और वे संस्कारों और आदर्शों की मिली-जुली संस्कृति से स्वतंत्र होकर मौलिक परिवर्तन के द्वारा नवीन संसार की रचना में सहायता कर सकेंगे। मौलिक परिवर्तन के लिए शिक्षा की भूमिका के विषय में कृष्णमूर्ति जी ने कहा है, "वास्तविक शिक्षा आपको मात्र संस्कारयुक्त होने में सहायता नहीं करती है बल्कि वह आपको प्रतिदिन जीवन की संपूर्ण प्रक्रिया को समझने में सहायता करती है, जिससे आप निर्विघ्न आगे का मार्ग प्रशस्त कर सकें और नवीन विश्व का निर्माण कर सकें। एक ऐसा विश्व जो वर्तमान विश्व से एकदम पृथक हो। शिक्षा का कार्य परंपरा और आदत को सही अर्थों में जानना और अन्यथा का वध करना है। अतीत का सातत्य और आदत सजगता से उत्पन्न नहीं होते। सजगता रूढ़िवादी आदतों को दूर कर देती है। शिक्षा का उद्देश्य परंपराओं और आदतों से जकड़े जीवन को मुक्त करवाना तथा विशाल जीवनधारा से एकाकार होकर अनंत जीवन का अनुभव करवाने में हमारी सहायता करने का होना चाहिए।" [1]

शिक्षा का कार्य बालक को सीखने की कला से अवगत करवाना है। शिक्षा का वास्तविक कार्य यह नहीं होता कि वह व्यक्ति को क्लर्क या जज या राजनेता बना दे बल्कि उसका कार्य है व्यक्ति को जर्जर समाज के संपूर्ण ढाँचे को समझने में और स्वतंत्रता के साथ अग्रसर होने में सहयोग करे, जिससे वे इस समाज से स्वतंत्र हो सकें और नवीन संसार का निर्माण कर सकें। एक ऐसा संसार जो अधिकार, भक्ति और प्रतिष्ठा पर आधारित न हो। [2]

शिक्षा का कार्य न केवल विद्यार्थी को विभिन्न क्षेत्रों में मानव के महान प्रयत्नों से प्राप्त विशाल ज्ञान के भंडार की जानकारी से अवगत करवाना है बल्कि उसके मन को पारंपरिक दबाव से मुक्त करवाना है, जिससे वह आविष्कार करने और अनुसंधान करने में समर्थ हो सके अन्यथा हमारा मन मात्र तकनीकी ज्ञान से बोझिल होकर जस-का-तस बना रहेगा। [3]

स्रोत (संपादित) : कृष्णमूर्ति और शिक्षा - https://sarkariguider.com/j-krshnaamoorti-ke-anusaar-shiksha-ke-uddeshy/

(1) गद्यांश के अनुसार शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य _____ का सामर्थ्य विकसित करना है।

क. बाधारहित जीविकोपार्जन
ख. पूर्वाग्रह से रहित निरीक्षण और विश्लेषण
ग. भक्ति और सम्मान के आधार पर जीवनयापन
घ. पारंपरिक पद्धतियों के अवलोकन और समर्थन

(2) गद्यांश में लेखक किस प्रकार के नवीन संसार की कल्पना कर रहा है?
क. आदर्श और संस्कारों से निर्मित
ख. अतीत की निरंतरता और आदतों से निर्मित
ग. मौलिक सोच और दृष्टिकोण पर आधारित
घ. प्राचीन अवधारणाओं और मूल्यों पर आधारित

(3) तकनीकी ज्ञान से लेखक का क्या अभिप्राय है?
क. सामाजिक ढाँचे की जर्जरता का ज्ञान
ख. जानकारियों के स्मरण का ज्ञान
ग. सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान
घ. मानवीय मूल्यों का ज्ञान

(4) दूसरे अनुच्छेद में मुख्य रूप से क्या बताया गया है?
क. सामाजिक बंधनों को चुनौती देना
ख. नवीन अवधारणाओं को चुनौती देना
ग. पारंपरिक पद्धतियों का विकास करना
घ. भौगोलिक सीमाओं का विकास करना

(5) पहले अनुच्छेद में बताया गया है कि बाधारहित विकास _____ होने पर संभव है।
क. शरीर का विकास
ख. समझ का विकास
ग. समाज का विकास
घ. तकनीक का विकास

(6) परंपराओं और आदतों से जकड़े जीवन में किनका विकास होता है?

क. अस्पष्टता और रूढ़िवादिता

ख. मौलिकता और सजगता

ग. अधिकार और स्वतंत्रता

घ. अनुभव और तकनीक

(7) मूल अवधारणाओं के प्रति दृष्टिकोण के परिवर्तन से _____ का विकास होता है।

क. समाज में धार्मिकता और सांस्कारिकता

ख. समाज में अतीत की परंपराओं और आदर्शों

ग. सामाजिक क्रियाकलापों के निष्पक्ष और स्पष्ट निरीक्षण

घ. धार्मिकता के आधार पर सामाजिक क्रियाकलापों के आकलन

(8) विद्यार्थी आविष्कार और अनुसंधान कब कर पाता है?

क. जब वह तकनीकी ज्ञान में पारंगत हो जाता है।

ख. जब वह स्वतंत्रता और निष्पक्षता से मुक्त हो जाता है।

ग. जब वह भक्ति और प्रतिष्ठा दोनों को प्राप्त कर लेता है।

घ. जब वह परंपरा, रीति-रिवाज़ और अंधविश्वास से मुक्त हो पाता है।

(9) *शिक्षा का कार्य परंपरा और आदत को सही अर्थों में जानना और अन्यथा का वध करना है।*

उपर्युक्त कथन में रेखांकित वाक्यांश का सही भावार्थ पहचानिए।

क. केवल परंपरा और आदतों का समर्थन करना

ख. अनावश्यक गतिविधियों का त्याग करना

ग. केवल अपने ज्ञान का प्रसार करना

घ. कुरीतियों पर गहन चिंतन करना

(10) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उचित विकल्प चुनिए।

कथन (A) : शिक्षा का कार्य निष्पक्ष और स्पष्ट दृष्टिकोण का विकास करना है।

कारण (R) : ऐसी शिक्षा ही रचनात्मकता को जन्म देने में सहायक होती है।

क. कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

ख. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग. कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

घ. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5X1=5)

दान जगत का प्रकृत धर्म है, मनुज व्यर्थ डरता है,
एक रोज़ तो हमें स्वयं सब कुछ देना पड़ता है।
बचते वही, समय पर जो सर्वस्व दान करते हैं,
ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं। [1]

वीर कर्ण, विक्रमी, दान का अति अमोघ व्रतधारी,
पाल रहा था बहुत काल से एक पुण्य-प्रण भारी।
रवि-पूजन के समय सामने जो याचक आता था,
मुँह-माँगा वह दान कर्ण से अनायास पाता था। [2]

थी विश्रुत यह बात कर्ण गुणवान और ज्ञानी हैं,
दीनों के अवलम्ब, जगत के सर्वश्रेष्ठ दानी हैं।
जाकर उनसे कहो, पड़ी जिस पर जैसी विपदा हो,
गो, धरती, गज, वाजि माँग लो, जो जितना भी चाहो। [3]

'नाहीं' सुनी कहाँ, किसने, कब, इस दानी के मुख से,
धन की कौन बिसात? प्राण भी दे सकते वह सुख से।
और दान देने में वे कितने विनम्र रहते हैं!
दीन याचकों से भी कैसे मधुर वचन कहते हैं। [4]

- रामधारी सिंह 'दिनकर'

स्रोत : 'रश्मिरथी' चतुर्थ सर्ग- रामधारी सिंह दिनकर - https://kavishala.in/sootradhar/ramdhari-singh-dinkar/rasmirathi-caturtha-sarga

(1) दूसरे पद में कवि ने कर्ण की प्रतिज्ञा को _____ और _____ बताया है।

क. अड़िग, ओजस्वी
ख. विचलित, स्थायी
ग. अस्थिर, स्खलित
घ. बलिष्ठ, चिरस्थायी

(2) कवि ने कर्ण के चरित्रांकन हेतु _____ का अवलंब लिया है।

क. कथोपकथनों
ख. क्रियाकलापों
ग. अभिभाषणों
घ. उपमाओं

(3) उपर्युक्त काव्यांश में कर्ण के _____ की प्रतिष्ठा की गई है।

क. उपेक्षित जीवन
ख. मानवीय उदात्त मूल्यों

ग. अतीत के स्वर्णिम चित्रों

घ. भविष्य की उज्ज्वल संभावनाओं

(4) कर्ण की दानवीरता का उल्लेख करने से पूर्व क्या प्रतिपादित किया गया है?

क. दान के महिमामय आलोक को

ख. पात्र की मानसिक अभिरुचि को

ग. जीवन के भावनात्मक उद्देश्य को

घ. पात्र के जीवन के अंतर्निहित लक्ष्य को

(5) *'और दान देने में वे कितने विनम्र रहते हैं!'*

उपर्युक्त पंक्ति में रेखांकित शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में हुआ है?

क. दिवस में दिया जाने वाला दान बताने के लिए

ख. दान की संख्या का अनुमान लगाने के लिए

ग. स्वाभाविक विनम्रता को छिपाने के लिए

घ. बहुत विनम्र स्वभाव को बताने के लिए

अथवा

निम्नलिखित कविता पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

किसे खोजने निकल पड़ी हो
जाती हो तुम कहाँ चली,
ढली रंगतों में हो किसकी
तुम्हें छल गया कौन छली? [1]

क्यों दिन-रात अधीर बनी-सी
पड़ी धरा पर रहती हो,
दु:सह आतप शीत-वात सब
दिनों किसलिए सहती हो? [2]

कभी फैलने लगती हो क्यों
कृश तन कभी दिखाती हो,
अंग-भंग कर-कर क्यों आपे
से बाहर हो जाती हो? [3]

कौन भीतरी पीड़ाएँ
लहरें बन ऊपर आती हैं,
क्यों टकराती ही फिरती हैं
क्यों काँपती दिखाती हैं? [4]

बहुत दूर जाना है तुमको
पड़े राह में रोड़े हैं,
हैं सामने खाइयाँ गहरी
नहीं बखेड़े थोड़े हैं। [5]

पर तुमको अपनी ही धुन है
नहीं किसी की सुनती हो,
काँटों में भी सदा फूल तुम
अपने मन के चुनती हो। [6]

उषा का अवलोक वदन
किसलिए लाल हो जाती हो,
क्यों टुकड़े-टुकड़े दिनकर की
किरणों को कर पाती हो? [7]

क्यों प्रभात की प्रभा देखकर
उर में उठती है ज्वाला,
क्यों समीर के लगे तुम्हारे
तन पर पड़ता है छाला? [8]

- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

स्रोत (संपादित) : सरिता - अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' https://rb.gy/r9bu9g

(1) पद संख्या छह में नदी की कौन-सी विशेषता दृष्टव्य है?

क. वैचारिक परतंत्रता की

ख. मानसिक दृढ़ता की

ग. आत्मनिर्भरता की

घ. परोपकारिता की

(2) *'अंग-भंग कर-कर क्यों आपे*
से बाहर हो जाती हो।।'

उपर्युक्त पंक्ति के आधार पर नदी की यह अवस्था किस ऋतु में होती है?

क. ग्रीष्म ऋतु

ख. शरद ऋतु

ग. शीत ऋतु

घ. वर्षा ऋतु

(3) *'बहुत दूर जाना है तुमको*
पड़े राह में रोड़े हैं,

हैं सामने खाइयाँ गहरी
नहीं बखेड़े थोड़े हैं।'

उपर्युक्त पंक्तियों में वर्णित नदी की यात्रा को मानव-जीवन से जोड़ने पर सबसे उचित विकल्प कौन-सा होगा?

क. जीवन की यात्रा में समस्याएँ कल्पना मात्र होती हैं।
ख. जीवन की यात्रा में पहाड़ी खाइयों की ही समस्याएँ होती हैं।
ग. जीवन की यात्रा में अनेक प्रकार की समस्याएँ और बाधाएँ आती हैं।
घ. जीवन की यात्रा में हमेशा बखेड़ा खड़ा करने की आवश्यकताएँ होती हैं।

(4) कविता के अनुसार नदी अपने अंतर्मन की व्यथा को _____ के रूप में व्यक्त करती है।

क. खाइयों
ख. ज्वाला
ग. लहरों
घ. काँटों

(5) उपर्युक्त कविता के अनुसार सही विकल्प पहचानिए।

क. इस कविता में प्राकृतिक वैभव को व्यंग्यार्थ के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
ख. इस कविता में नदी की चंचलता द्वारा मानव की चपलता को विश्लेषित किया गया है।
ग. इस कविता में जीवन की कल्पनाओं और यथार्थ के विरोधाभास को व्यक्त किया गया है।
घ. इस कविता में नदी के यथार्थ द्वारा मानव जीवन में निहित गूढ़ार्थ को संप्रेषित किया गया है।

प्रश्न 3. निर्देशानुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5X1=5)**

(1) निम्नलिखित में से कौन-सी मुद्रित माध्यम की विशेषता <u>नहीं</u> है?

क. चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम होना
ख. जनसंचार का सबसे पुराना माध्यम होना
ग. लिखित भाषा का विस्तार होना
घ. पाठक का निरक्षर होना

(2) साक्षात्कार के लिए निम्नलिखित में से क्या आवश्यक है?

(क) साक्षात्कार लेने वाले व्यक्ति के बारे में आवश्यक जानकारी होना
(ख) साक्षात्कार का उद्देश्य निश्चित होना
(ग) साक्षात्कार के लिए दुरूह प्रश्नावली का प्रयोग होना
(घ) साक्षात्कार के समय हुई चर्चा का लिखित अथवा रिकॉर्ड रूप में होना

क. केवल (क) और (ख)
ख. केवल (ख) और (घ)
ग. केवल (क), (ख) और (घ)
घ. केवल (ख), (ग) और (घ)

(3) समाचार लेखन में कौन-से ककार सूचनात्मक और तथ्यों पर आधारित होते हैं?
क. कहाँ, कैसे, क्यों, क्या
ख. क्या, कौन, कब, कहाँ
ग. कैसे, क्यों, कितना, कौन
घ. किसने, किसे, कैसे, क्यों

(4) *मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन टी20 वर्ल्ड कप का किया शुभारंभ*

उपर्युक्त समाचार का शीर्षक किस लेखन क्षेत्र के अंतर्गत आएगा?
क. विज्ञान और प्रौद्योगिकी
ख. फ़िल्म-मनोरंजन
ग. अर्थ-व्यापार
घ. खेल जगत

(5) निम्नलिखित में से कौन-सा समाचार कारोबार और व्यापार जगत से है?
क. लगातार तीन दिनों से सोने-चाँदी की कीमतों में भारी गिरावट
ख. उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाओं ने किया व्रत का पारण
ग. जंगली हाथी को देख लोगों ने की बेवकूफ़ी भरी हरकत
घ. गुजरात में पुल टूटने के बाद हर तरफ भगदड़

प्रश्न 4. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5X1=5)

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खरतनाक किनारों तक-
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत

पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं
महज़ एक धागे के सहारे
पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं
अपने रंध्रों के सहारे

अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं
पृथ्वी और भी तेज़ घूमती हुई आती है
उनके बेचैन पैरों के पास।

(1) काव्यांश को पढ़कर कहा जा सकता है कि कवि ने मुख्य रूप से _____ किया है।

क. बालोचित भय को उजागर
ख. स्वयं शिशुवत आकांक्षाओं का अभिनय
ग. बालसुलभ उत्कंठाओं का अनुपम वर्णन
घ. बाल्यावस्था को निर्भयता का पर्याय स्वीकार

(2) *'जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास'*

उपर्युक्त पंक्ति के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से कथन सही हैं?

(i) कुछ शिशु जन्मावस्था के समय अपने साथ कपास लेकर जन्म लेते हैं।
(ii) 'कपास' शब्द का प्रयोग बालमन की कोमल अनुभूतियों के प्रतीक रूप में किया गया है।
(iii) बच्चों का शारीरिक गठन जन्म से ही कपास की भाँति नरम और लचीला होता है।

क. कथन (i), (ii) और (iii) सही है।
ख. कथन (i) गलत, (ii) और (iii) सही है।
ग. कथन (i) सही, (ii) और (iii) गलत है।
घ. कथन (ii) गलत, (i) और (iii) सही है।

(3) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनिए।

कथन (A) : छतों के किनारों से चोटिल न होने पर बच्चे अधिक निर्भय हुए।
कारण (R) : सुरक्षित बच जाने पर उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई और वे अधिक बड़ी समस्याओं का सामना करने के लिए तैयार हुए हैं।

क. कथन (A) गलत और कारण (R) सही है।
ख. कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
ग. कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या कर रहा है।
घ. कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या कर रहा है।

(4) दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का अर्थ है कि _____।

क. आस-पास ढोलक की दुकान है

ख. आस-पास का वातावरण संगीतमय हो गया है

ग. चारों दिशाओं में ढोलक आदि बजाए जा रहे हैं

घ. बच्चे छतों पर ढोलक बजाते हुए नृत्य कर रहे हैं

(5) कॉलम (अ) को कॉलम (ब) से सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए।

कॉलम (अ)	**कॉलम (ब)**
1. पतंगों की धड़कती ऊँचाइयों द्वारा बच्चों को थामना	(i) तुलना किए जाने के कारण उपमा अलंकार
2. दिशाओं को मृदंग की तरह बजाना	(ii) दृश्य बिंब का प्रयोग करना
3. बच्चों के बेसुध होकर दौड़ने पर पृथ्वी द्वारा घूमकर संरक्षण प्रदान करना	(iii) मानवीय क्रियाकलाप आरोपित करके मानवीकरण अलंकार का प्रयोग करना

क. 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

ख. 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

ग. 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

घ. 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

प्रश्न 5. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5X1=5)

जाति प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम-श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो इसके लिए भूखों मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न

हो, भले ही वह उसमें पारंगत हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

(1) आंबेडकर के अनुसार भारत में श्रम विभाजन का आधार क्या है?

क. श्रमिकों का प्रभावी प्रशिक्षण

ख. श्रमिकों का शारीरिक बल

ग. श्रमिकों की कार्यकुशलता

घ. श्रमिकों की वंश-परंपरा

(2) गद्यांश के आधार पर कौन-सा कथन गलत है?

क. जातिप्रथा श्रम का विभाजन करती है।

ख. जातिगत व्यवसाय अनिवार्य होना चाहिए।

ग. बेरोजगारी का एक कारण जातिप्रथा भी है।

घ. कार्य का विभाजन दक्षता के आधार पर होना चाहिए।

(3) श्रमिक के लिए सबसे बड़ी समस्या क्या है?

क. गरीब होना

ख. सांप्रदायिकता में संलग्न होना

ग. कार्यस्थल का असुरक्षित होना

घ. अरुचिकर कार्य के लिए बाध्य होना

(4) समतामूलक समाज में श्रम का विभाजन _____ के आधार पर किया जाता है।

क. धर्म

ख. जाति

ग. दक्षता

घ. बेरोजगारी

(5) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उचित विकल्प चुनिए।

कथन (A) : जीविकोपार्जन के लिए स्वतंत्रता प्रत्येक मनुष्य का संवैधानिक अधिकार है।

कारण (R) : कानून सभी जातियों को जीविकोपार्जन का समान अवसर मुहैया करवाता है।

क. कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

ख. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग. कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

घ. कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

प्रश्न 6. निर्देशानुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(10X1=10)**

(1) यशोधर पंत घर वालों के साथ सामंजस्य क्यों नहीं बिठा पाते हैं?

क. दफ़्तर के कार्यों के कारण

ख. बच्चों के व्यवहार के कारण

ग. धार्मिक और कर्मकांडी होने के कारण

घ. अपने सिद्धांतों और धारणाओं के कारण

(2) कहानी में पुरानी और नई पीढ़ी के बीच बढ़ती दूरियों का मुख्य कारण क्या है?

क. एक-दूसरे से प्रतिद्वंद्विता

ख. पुरानी पीढ़ी में धैर्य का अभाव

ग. दोनों पीढ़ियों का रूढ़िवादी होना

घ. दोनों पीढ़ियों के विचारों में अंतर होना

(3) कहानी में संयुक्त परिवार की किस समस्या को दर्शाया गया है?

क. धनोपार्जन की समस्या

ख. पारिवारिक कलह की समस्या

ग. पारिवारिक आयोजन की समस्या

घ. बुजुर्गों द्वारा मार्गदर्शन की समस्या

(4) आनंद के संबंध में कौन-सा कथन सही है?

क. आनंद पढ़ाई में कमज़ोर और तुक बनाने में माहिर थे।

ख. आनंद कविताओं की ओर स्वयं की प्रतिभा के कारण प्रवृत्त हुए थे।

ग. आनंद पढ़ने के साथ-साथ खेतों में काम करने के अधिक इच्छुक थे।

घ. आनंद अपने दादा की अपेक्षा माँ के सामने भावनाएँ व्यक्त कर पाते थे।

(5) आनंद अपनी उम्र के हिसाब से अधिक _____ प्रतीत होते हैं।

क. भोले

ख. जिज्ञासु

ग. विवेकी

घ. अभिमानी

(6) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उचित विकल्प चुनिए।

कथन (A) : शिक्षक के सार्थक परिश्रम की गवाही आनंद है।

कारण (R) : शिक्षक पूरी निष्ठा से अपना कर्म करते रहे हैं।

क. कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

ख. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग. कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
घ. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

(7) मुअनजो-दड़ो की सामाजिक व्यवस्थाओं में एकरूपता को देखकर लेखक ने क्या अनुमान लगाया?

क. सभी व्यवस्थाओं में अनुशासन का
ख. सामाजिक व्यवस्था में राजतंत्र का
ग. व्यवस्थाओं में दिखावे की कमी का
घ. सैन्य व्यवस्था द्वारा सामाजिक प्रबंधन का

(8) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ में लेखक को यह कैसे पता चला कि सुव्यवस्था हेतु शक्ति की आवश्यकता नहीं पड़ती?

क. सामाजिक व्यवस्थाओं की समानता मिलने से
ख. नगर योजना और वास्तुशिल्प को देखने से
ग. शासन और सामाजिक प्रबंध को देखने से
घ. अजायबघर में हथियारों के न मिलने से

(9) मुअनजो-दड़ो की शासन व्यवस्था की सबसे प्रमुख विशेषता पहचानिए।

क. शासन में सैन्य बल का प्रभावी होना
ख. शासन का व्यापार पर निर्भर न होना
ग. शासन में हथियारों का विकसित होना
घ. शासन का सैन्य-शक्ति पर निर्भर न होना

(10) बौद्ध स्तूप को देखकर 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के लेखक को कैसी अनुभूति हुई?

क. अतीत की स्मृतियों में खो गया।
ख. भौगोलिकता का ज्ञान हो गया।
ग. बौद्ध धर्म में अनुरक्त हो गया।
घ. सौंदर्य से अभिभूत हो गया।

खंड 'ब'	**वर्णनात्मक प्रश्न**	**40 अंक**

प्रश्न 7. निम्नलिखित चार अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए। **(1X6=6)**

(क) गर्मी में कुल्फ़ी बेचता आदमी
(ख) पर्यावरण की चिंता और भारत
(ग) ई-शिक्षा विद्यार्थियों के लिए लाभ या हानि
(घ) अंतरिक्ष के रहस्य उजागर करने को आतुर विज्ञान

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए। (2X3=6)

(क) चित्र देखकर कथानक के स्वरूप के आधार पर किन्हीं दो संभावित द्वंद्वों का उल्लेख करते हुए रोचक कहानी लिखिए।

(ख) रेडियो प्रसारण की 'विज्ञान विशेष' कक्षा में शिक्षक छात्रों को जलचक्र से संबंधित पाठ पढ़ा रहे हैं। इस दौरान शिक्षक को किन सहायक सामग्रियों की आवश्यकता पड़ेगी? किन्हीं दो सामग्रियों का नाम लिखते हुए संभावित चार ध्वनि प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

(ग) अप्रत्याशित लेखन के कितने आधार हो सकते हैं? किन्हीं तीन आधारों को समझाकर लिखिए।

प्रश्न 9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए। (2X4=8)

(क) समाचार चैनल की ओर से एजेंडा देने के लिए कोई दो विषय लिखिए। समाज की ओर से उन पर अपनी प्रतिक्रिया भी व्यक्त कीजिए।

(ख) साहित्य और पत्रकारिता लेखन में क्या अंतर है?

(ग) बीट लेखन से विशेषीकृत लेखन किस प्रकार भिन्न है?

प्रश्न 10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए। **(2X3=6)**

(क) 'कविता के बहाने' में कवि ने कविता की अनंतता एवं संभावनाओं पर बात की है। इस कथन की सत्यता को लगभग 60 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता क्षीण होती मानवीय संवेदना का चित्रण है।' किन्हीं तीन उदाहरणों द्वारा इसे प्रमाणित कीजिए।

(ग) *'पेट की भूख बड़वाग्नि से भी बड़ी है।'* इस कथन को 'कवितावली' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए। **(2X2=4)**

(क) कवि बादल का आह्वान किस रूप में और क्यों करना चाहता है? 'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए।

(ख) पक्षियों और यात्रियों की तरह कवि का जीवन चलायमान क्यों नहीं है? 'एक गीत' कविता के आधार पर समझाकर लिखिए।

(ग) 'उषा' कविता में कवि ने 'राख' और 'गीले चौके' शब्दों का प्रयोग क्यों किया है?

प्रश्न 12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए। **(2X3=6)**

(क) समाज में चूरन वाले भगत जी की तरह अधिक लोग होंगे तो बाज़ार एवं समाज पर क्या असर होगा? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ख) 'शिरीष के फूल' में गांधीजी का उल्लेख किस संदर्भ में हुआ एवं उसके क्या कारण होंगे?

(ग) 'पहलवान और ढोलक के बीच रागात्मक संबंध था।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न 13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए। **(2X2=4)**

(क) 'भक्तिन' की किन विशेषताओं ने महादेवी वर्मा को प्रभावित किया?

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में इंदर सेना को देखकर लेखक के मन में किन प्रश्नों ने जन्म लिया?

(ग) 'दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का दूसरा नाम है लोकतंत्र।' 'मेरी कल्पना का आदर्श-समाज' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।